जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 118 प्रभात कोटा, सोमवार 10 फरवरी, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा

भाजपा विधायकों के असंतोष को कम करने के लिए विधानसभा सत्र से एक दिन पूर्व इस्तीफा हुआ

इंफाल, 09 फरवरी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सिंह ने रविवार को मणिपुर के राज्यपाल ए.के. भल्ला को अपना इस्तीफा सौंप दिया। नए मुख्यमंत्री पर फैसला एक-दो दिन के अंदर लिया जाएगा। मणिपुर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष ए. शारदा, मंत्रियों, भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा और कुछ अन्य विधायकों के साथ बीरेन सिंह ने राज्यपाल से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस्तीफे का फैसला लेने से पहले बीरेन सिंह ने रविवार सुबह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की और रविवार को भाजपा नेता संबित पात्रा के साथ वापस आए। इंफाल लौटने के बाद उन्होंने इस्तीफा सौंप दिया।

सिंह ने पत्र में कहा, अब तक मणिपुर के लोगों की सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। मैंने हर मणिपुरी के हितों की रक्षा के लिए समय पर कार्रवाई व हस्तक्षेप किया। मैं विकास कार्यों और विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने केंद्र सरकार से इसे जारी रखने का अनुरोध किया।

- **इस्तीफे से पहले बीरेन सिंह ने दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, फिर संबित पात्रा के साथ इंफाल आकर उन्होंने इस्तीफा दिया। नये मुख्यमंत्री का फैसला एक-दो दिन में होगा।**
- **कहा जा रहा है कि दिल्ली चुनावों की सफलता के बाद, भाजपा मणिपुर में कोई विरोध या विद्रोह से बचना चाहती है, ताकि पार्टी की छवि खराब न हो।**

उन्होंने केंद्र से सीमा पर घुसपैठ पर नकेल कसने और अवैध अप्रवासियों के निर्वासन के लिए नीति तैयार करने के लिए कहा।

राज्यपाल ने कथित तौर पर सीएम से कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम करना जारी रखने के लिए कहा है।

भाजपा विधायकों द्वारा बीरेन सिंह के खिलाफ विद्रोह करने के बाद राजनीतिक संकट पैदा हो गया। मणिपुर विधानसभा का सत्र कल से शुरू होने वाला है।

माना जा रहा है कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने अपने नेतृत्व के खिलाफ राज्य भाजपा में असंतोष को कम करने के लिए इस्तीफा दिया है, क्योंकि उनकी सरकार को कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव और शक्ति परीक्षण की संभावना है। कॉनराड संगमा की नेशनल पीपुल्स पार्टी के समर्थन वापस लेने के बावजूद भाजपा के पास संख्या बल मौजूद है, उसके बाद भी ऐसी संभावना थी कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की मांग करने वाले विधायक फ्लोर टेस्ट होने पर पार्टी व्हिप की अवहेलना कर दें।

इसी संभावना को टालने के लिए मुख्यमंत्री ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत के बाद पद छोड़ने का फैसला किया। पार्टी सूत्रों ने कहा कि लगभग 12 विधायक नेतृत्व परिवर्तन पर जोर दे रहे हैं। सूत्रों ने यह भी कहा कि विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के बीच भी मतभेद हैं। सूत्रों ने कहा कि दिल्ली चुनावों में भाजपा की सफलता को देखते हुए, भाजपा आलाकमान नहीं चाहता कि मणिपुर की स्थिति कोई अलग कहानी बनाए।

ज्ञातव्य है कि मणिपुर में सोमवार से ही विधानसभा सत्र शुरू होना था।

ज्ञातव्य है कि 60 सदस्यों वाली मणिपुर विधानसभा में कांग्रेस के पांच विधायक हैं। एक अन्य विपक्षी पार्टी एनपीपी के सात विधायक हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 32 विधायक हैं और उसे नगा पीपुल्स फ्रंट के पांच और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के छह विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है। 60 सदस्यीय मणिपुर विधानसभा में तीन निर्दलीय विधायक और कुकी पीपुल्स अलायंस के दो विधायक भी हैं।

अविश्वास प्रस्ताव के डर से बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 09 फरवरी। कांग्रेस ने एन. बीरेन सिंह द्वारा मणिपुर के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने पर रविवार को प्रतिक्रिया दी। विपक्षी पार्टी ने इसे देर से उठाया गया कदम बताया और कहा कि लोग बार-बार विदेश जाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर यात्रा का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस ने यह हमला उस समय किया है, जब बीरेन सिंह ने इंफाल स्थित राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को अपना इस्तीफा सौंपा।

अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के संचार प्रभारी जयराम

- **कांग्रेस के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, मणिपुर के मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग मई 2023 से की जा रही है।**

रमेश ने कहा कि कांग्रेस सोमवार को मणिपुर विधानसभा में बीरेन सिंह और उनके मंत्रिमंडल के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे की मांग कांग्रेस मई 2023 से कर रही थी, जब मणिपुर में जाति हिंसा शुरू हुई थी।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री का इस्तीफा बहुत देर से आया। अब मणिपुर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाकुंभ में चौतरफा जाम लगा, प्रयागराज स्टेशन को बंद किया

वाराणसी, लखनऊ, कानपुर व रीवा से आने वाले रास्तों पर 10 से 15 किलोमीटर लंबे जाम हैं

प्रयागराज, 09 फरवरी। महाकुंभ में रविवार की छुट्टी के कारण श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ रही। संगम पहुंचने के सभी रास्तों में 10 से 15 किमी लंबा जाम लगा रहा। वाराणसी, लखनऊ, कानपुर और रीवा से प्रयागराज आने-जाने वाले रास्तों पर 25 किमी तक गाड़ियां रेंग रही थीं। बताया गया कि यात्री रात 11 बजे से पैदल चल रहे हैं। बढ़ती भीड़ के बाद प्रयागराज संगम स्टेशन को अगले आदेश तक बंद किया गया है। प्रयागराज संगम स्टेशन, संगम से सबसे नजदीक है। स्टेशन की कुल क्षमता 1000 से 2000 लोगों की है लेकिन भीड़ ज्यादा होने की वजह से स्टेशन को बंद कर दिया गया है। हालांकि ट्रेनों का परिचालन नहीं रोका गया है।

प्रयागराज में भी लोगों को घाटों तक पहुंचने के लिए घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है। भारी भीड़ को देखते हुए पार्किंग स्थल और रूटों पर आपात प्लान लागू कर दिया गया है। इसके अलावा, फाफामऊ से प्रयागराज, झूंसी से प्रयागराज, जसरा से प्रयागराज आने वाले रास्तों पर भारी जाम लगा हुआ है।

संगम नोज़ पर भारी संख्या में

- **प्रयागराज स्टेशन पर भारी भीड़ एकत्रित हो जाने के कारण इस स्टेशन से ट्रेनों का आना-जाना रोक दिया गया है।**
- **लोगों को घाटों पर पहुँचने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।**

पुलिस फोर्स तैनात की गई है। यूपी पुलिस और बीएसएफ जवान लगातार श्रद्धालुओं को चेतावनी दे रहे हैं। पुलिस चेतावनी दे रही है कि देर तक घाट पर न ठहरें, स्नान कर वापस लौट जाएं। जैसे-जैसे श्रद्धालुओं का दबाव बढ़ ता है, वैसे ही रास्तों पर रस्सियों से बेरिकेडिंग कर दी जाती है और एरिया ब्लॉक कर दिया जाता है।

आज सुबह मेला क्षेत्र के सेक्टर-19 में आग लग गई। इसमें एक कल्पवासी टेंट जल गया। दमकल कर्मियों ने आग बुझाई।

आज, रविवार को सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग व उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई।

तमांग इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने वाले पूर्वोत्तर भारत के पहले मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने संगम स्नान को एक आध्यात्मिक रूपांतरण का अनुभव बताते हुए कहा कि इस दिव्य आयोजन में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। लाखों श्रद्धालु यहां आस्था और भक्ति के साथ एकत्र हुए हैं, और इस ऊर्जा को महसूस करना अत्यंत प्रेरणादायक है।

धामी ने महाकुम्भ के भव्य आयोजन के लिए पीएम मोदी और सीएम योगी की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड मंडपम का भी निरीक्षण किया। साथ ही, सेक्टर 8 में आयोजित ज्ञान महाकुंभ' में भी हिस्सा लेने पहुंचे। मुख्यमंत्री रविवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने कहा, हम सौभाग्यशाली हैं कि यह महाकुम्भ हमारे युग में आया है।

अभिनेत्री और पूर्व सांसद जया प्रदा ने भी रविवार को अपने बेटे के साथ त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सड़क दुर्घटना में छत्तीसगढ़ के 4 श्रद्धालुओं की मौत

रायपुर, 09 फरवरी। छत्तीसगढ़ उत्तरप्रदेश बॉर्डर पर बभनी के दरनखाड़ के पास सुबह भीषण सड़क हादसे में रायगढ़ के श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो को एक ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में 4 लोगों की मौत हो गई है और 6 गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

- **महाकुंभ से स्नान कर रायपुर लौट रहे यात्रियों की बोलेरो की ट्रेलर से टक्कर हो गई।**
- **मृतकों में तीन नज़दीकी रिश्तेदार थे तथा चौथा बोलेरो का चालक था।**

घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक बोलेरो सवार श्रद्धालु महाकुंभ स्नानकर छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के सूरजगढ़ लौट रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। घायल रामकुमार ने बताया, सभी लोग प्रयागराज गंगा स्नान के लिए आए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सांसदों-विधायकों पर 5000 केस पैंडिंग हैं'

नई दिल्ली, 09 फरवरी। पूर्व और मौजूदा सांसदों-विधायकों के खिलाफ करीब 5,000 मामले लंबित हैं, जिनको शीघ्र निपटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट से दिशा निर्देश की मांग की गई है। शीर्ष कोर्ट की ओर से एमिकस क्यूरी नियुक्त किए गए वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने दलील दी कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों की सुनवाई में देरी हो रही है, क्योंकि उनके पास जांच और कोर्ट में प्रभाव डालने की शक्ति है। इसके कारण लंबित मामलों का निपटान नहीं हो रहा है, जिससे हमारे लोकतांत्रिक ढ ांचे पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

हंसारिया ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ एक जनवरी 2025 तक 4,732 आपराधिक मामले लंबित थे, जिनमें 892 मामले 2024 में दर्ज किए गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि लोकसभा के मौजूदा 543 सदस्यों में से 251 पर आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 170 मामले गंभीर अपराधों से जुड़े हैं, जिनकी सजा पांच साल या उससे अधिक हो सकती है।

- **सुप्रीम कोर्ट से इन मामलों को निपटाने के लिये दिशा-निर्देश मांगे।**

उन्होंने कहा कि विशेष अदालतों में सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों में सुनवाई अन्य सामान्य मामलों के साथ होती है, जिससे देरी होती है। उन्होंने शीर्ष कोर्ट से यह भी अपील की कि मामले तीन साल से अधिक समय से लंबित होने पर उनकी प्रति-दिन सुनवाई की जाए और दो बार सुनवाई में हाजिर न रहने वाले आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल नवंबर में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों की शीघ्र सुनवाई के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे, जिसमें विशेष अदालतों को इन मामलों को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया था।

राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को महाकुंभ में डुबकी लगायेंगी

महाकुंभनगर, 09 फरवरी। प्रयागराज की पावन धरा पर सोमवार को देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू महाकुंभ की भव्यता एवं दिव्यता की साक्षी बनेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू सुबह के समय संगम नोज़ पर डुबकी लगाएंगी। देश की प्रथम नागरिक का संगम में पावन डुबकी लगाने का यह ऐतिहासिक क्षण होगा।

गौरतलब है कि इससे पहले भारत

- **भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भी महाकुंभ में स्नान किया था।**

के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुम्भ में पावन स्नान किया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसके उपरांत अक्षयवट का दर्शन-पूजन करेंगी। सनातन संस्कृति में अक्षयवट को अमरता का प्रतीक माना जाता है। यह हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जिसकी महत्ता पुराणों में भी वर्णित है। इसके अलावा वे बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगी।

राष्ट्रपति महाकुंभनगर में आठ घंटे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीजापुर में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे

बस्तर के आईजी पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में दो जवान शहीद हुए और दो घायल हुए

रायपुर, 09 फरवरी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे गए, इस दौरान सुरक्षा बलों के दो जवान शहीद हो गये तथा दो अन्य घायल हो गये।

बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) पी सुंदर राज ने भी मुठभेड़ में 31 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के जंगल में बीजापुर और नारायणपुर से लगी महाराष्ट्र की सीमा पर रविवार सुबह उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई, जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम एंटी-नक्सल ऑपरेशन पर थी।

इस पूरे मामले व मुठभेड़ पर विस्तृत जानकारी देते हुए सुंदरराज ने बताया कि जिला बीजापुर के नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर बीजापुर डीआरजी, एसटीएफ और संयुक्त बल को रवाना किया गया था। रविवार को इस ऑपरेशन के दौरान माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच कई बार मुठभेड़ हुईं। मुठभेड़ के बाद सर्च में अब तक कुल 31 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं।

- **बीजापुर के नैशनल पार्क में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर संयुक्त बल रवाना हुआ। रविवार को माओवादियों से कई बार मुठभेड़ हुई। बाद में सर्च के दौरान अब तक 31 माओवादियों के शव बरामद किए जा चुके हैं।**

आईजी सुंदरराज ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों के चार जवान भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो जवानों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शहीद होने वालों में एक डीआरजी और एक एसटीएफ का जवान शामिल है। अन्य दो घायल जवानों की हालत खतरे से बाहर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

आईजी ने कहा कि साल 2025 में अब तक अलग-अलग मुठभेड़ों में 65 माओवादियों के शव बरामद किए जा चुके हैं।

बस्तर पुलिस ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को खत्म करने चलाए जा रहे एंटी नक्सल ऑपरेशन में फोर्स के जवानों को लगातार सफलता मिल रही है।

खासकर नया साल तो उनके लिए मौत का बवंडर लेकर आया है। फोर्स के दबाव में नक्सली लगातार अपना ठिकाना बदल रहे हैं और मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं। जिस तेजी से नक्सली मारे जा रहे हैं और सरेंडर कर रहे हैं उससे लगता है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का टारगेट टाइम से पहले भी पूरा हो सकता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि 31 मार्च 2026 से पहले देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर दिया जायेगा।

शाह ने रविवार को 'एक्स' पर कहा, नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बड़ी सफलता हासिल की है। इस ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को ढे र करने के साथ ही भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गयी है।

'युवाओं को नौकरी व किसानों को पानी-बिजली सरकार की प्राथमिकता है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोटा में श्री धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित किया

कोटा, 9फरवरी, (निसं)। श्री धाकड़ महासभा का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार को सीएडी स्थित दशहरा मैदान पर सम्पन्न हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में खुला अधिवेशन आयोजित हुआ। धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोड़मल नागर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यमंत्री भजनलाल और स्पीकर बिरला ने कार्यक्रम संयोजक और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हीरालाल नागर के साथ धरणीधर गार्डन में 4 करोड़ की लागत से बने नए अतिरिक्त भवन का लोकार्पण भी किया। इस भवन में 44 कमरे, लिफ्ट और हॉल का निर्माण कराया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भजन लाल शर्मा ने कहा कि जब तक अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को विकास का लाभ नहीं मिलेगा तब तक प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि हमने किसान सम्मान निधि में 2000 की बढ़ोतरी कर किसान को संबल देने का काम किया है। किसानों की फसलों को उचित दाम दिलाने के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी हुई है। युवाओं को नौकरी, हर किसान को पानी, बिजली देना हमारी प्राथमिकता में है। डबल इंजन की सरकार राजस्थान में विकास के लिए कृत संकल्प हैं।

- **मुख्यमंत्री तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने धरणीधर गार्डन में 4 करोड़ रूपए की लागत से बने महासभा के नए भवन का लोकार्पण किया। इस भवन में 44 कमरे, लिफ्ट और हॉल का निर्माण कराया गया है।**
- **कार्यक्रम के संयोजक ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कोटा में शैक्षणिक प्रकल्प तथा जयपुर में सामाजिक गतिविधियों के लिए सरकार से भूखंड उपलब्ध कराने की मांग की।**

इस अवसर पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि भारत को आगे बढ़ाना है, भारत को समृद्ध बनाना है तो भारत के किसान को खुशहाल बनाना होगा। धाकड़ समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोडमल नागर ने कहा कि 2047 तक देश को विकसित भारत बनाना है। ऊर्जा मंत्री तथा धाकड़ समाज के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हीरालाल नागर ने कहा कि भारत के किसान धरती से जुड़कर जमीन को उपजाऊ बनाने का काम करते हैं। अन्न उत्पादन के द्वारा पूरे विश्व का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में धाकड़ समाज का दो दिवसीय खुला अधिवेशन आयोजित हुआ। धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोड़मल नागर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

लखनऊ में धर्म परिवर्तन के आरोप में चर्च से लोग हिरासत में लिये

लखनऊ, 09 फरवरी। यूपी के लखनऊ शहर से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन करवाया जा रहा है। यह मामला सामने आने के बाद मौके पर जमकर हंगामा हुआ और पुलिस ने चर्च

- **घर के अन्दर बने चर्च में धर्म परिवर्तन होने की चर्चा से क्षेत्रवासियों की भीड़ एकत्रित हो गई। पुलिस ने चर्च में बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को हिरासत में लिया।**

में बड़ी संख्या में लोगों मौजूद को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

लखनऊ के भरवारा क्षेत्र में धर्म परिवर्तन का आरोप लगाकर जमकर नारेबाजी की गई। क्षेत्र वासियों ने आरोप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)